M.A. (Veda)		MVL- C401		Semester - IV	
		अथर्ववेद			
Total Lectures	Time Allotted for End Semester Examination	Marks Allotted for Internal Assessment	Marks Allotted for End Semester Examination (ESE)	Maximum Marks (MM)	Total Credits
92	3 Hrs.	30	70	100	92

नोट- इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे- अ और ब। खण्ड अ में दस लघु-उत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से पांच करने होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न छः अंक का होगा। खण्ड ब में आठ दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न होंगे, जिनमें से चार करने होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न दस अंक का होगा। प्रश्न-पत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर बनाया जायेगा।

निम्न दो यूनिटों में अथर्ववेद (शौनक संहिता) के अग्रलिखित सूक्तों का सायणभाष्य, पाश्चात्य विचारधारा एवं स्वामी दयानन्द की शैली से अध्ययन-

इकाई (Unit) I - 1.1 (वाचस्पति/मेधाजननम्), 2.1 (परमं धामः), 3.15 (वाणिज्यम्), 3.30 (सौमनस्यम्), 4.16 (सत्यानृतसमीक्षकः), 4.30 (राष्ट्रीदेवी), 5.18 (ब्रह्मगवी), 10.2.24-33 कुल 10 मन्त्र (पार्ष्णिसूक्त),

इकाई (Unit) II - 10.7.32-44 कुल 14 मन्त्र (स्कन्ध सूक्त), 12.1.1-15 कुल 15 मन्त्र (भूमिसूक्त), 12.5.1-6 (ब्रह्मगवी), 19.9 (शान्तिः), 19.53 (कालसूक्त), 19.71 (वेदमाता गायत्री)

इकाई (Unit) III - उपर्युक्त दोनों यूनिटों में समागत विषयों (प्रतिपाद्य) पर निबन्धात्मक प्रश्न

इकाई (Unit) IV - अथर्ववेद के मणिसूक्तों (1.29, 2.4, 3.5-6, 4.10, 8.5, 8.7, 10.3, 19.28, 19.31, 324-36, 19.46 आदि) का स्वारस्य।

इकाई (Unit) V - यूनिट चार में इंगित मणिसूक्तों के आलोक में कृत्या-वलग- अभिचार, मारण-मोहन-उच्चाटन, भूतप्रेत, जादू-टोना, झाड़-फूंक, गंडा-ताबीज, मन्त्र-तन्त्र-यन्त्र आदि विषयों की समीक्षा।

सहायक ग्रन्थ -

- अथर्ववेद संहिता - (सुबोध भाष्य), सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, पारडी
- अथर्ववेदभाष्य, विश्वनाथ विद्यालंकार, रामलाल कपूर ट्रस्ट, रेवली, सोनीपत
- अथर्ववेद संहिता (भाषाभाष्य), पं॰ जयदेव शर्मा विद्यालंकार, परोपकारिणी सभा, अजमेर (राज॰)
- अथर्ववेदभाष्य- हरिशरण सिद्धान्तालंकार/ पं. क्षेमकरणदास त्रिवेदी/ प्रो. तुलसीराम। मुनिभाष्य –स्वामी ब्रह्ममुनि।
- हिम्स आफ द अथर्ववेद- आर॰टी॰एच॰ ग्रिफिथ, मुन्शीराम मनोहरलाल पब्लिशर्स, प्राईवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।
- अथर्ववेद संहिता, विलियम डी॰ ह्विटने, परिमल पब्लिकेशन्स, देहली, 2004
- अथर्ववेद संहिता (सायणभाष्य), सम्पा॰ पं॰ विश्वबन्धु, विश्वेश्वरानन्द शोध संस्थान, होशियारपुर, 1960-64 ई॰
- अथर्ववेद मन्त्रविद्या, प्रियरत्न आर्ष, स्वाध्याय मंजरी का 16वाँ पुष्प, गुरुकुल कांगड़ी, सम्वत् 1999
- दयानन्दीय विचारधारा के आलोक में अथर्ववेद के मणिसूक्तों का स्वारस्य, डॉ॰ दिनेशचन्द्र शास्त्री, गुरुकुल शोध भारती, सम्पा॰ प्रो॰ ज्ञान प्रकाश शास्त्री, अंक 14, अक्टूबर 2010, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
- वेद और उसकी वैज्ञानिकता, आचार्य प्रियव्रत वेदवाचस्पति, श्रद्धानन्द अनुसन्धान प्रकाशन केन्द्र, गु॰का॰वि॰वि॰, हरिद्वार
- वेद मीमांसा, स्वामी विद्यानन्द सरस्वती, गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली, 1984